सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 294 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 1 दिसम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

जीवन में ऐसे लक्ष्य बनायें कि आप उसे प्राप्त न भी कर पाएं तो भी ये मानवीय क्षमता की विजय हो।

-महात्रिया रा

हाथरस की बेटी की याद में... 8 | अब युवा मतदाताओं को साधने... 3 | सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी... 7

यूपी की जनता के सपनों को चकनाचूर करने वाली भाजपा का सफाया तय : अखिलेश

- किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई पर आसमान छू रही है महंगाई
- पूरा नहीं किया एक भी वादा, साढ़े चार साल में नहीं हुआ कोई काम
- कोरोना काल में मजदूरों की नहीं की मदद, बेरोजगारी बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज बांदा में भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड समेत यूपी की जनता ने भाजपा को भारी बहुमत दिया लेकिन भाजपा ने कुछ नहीं किया। किसानों की आय दोगुनी करने के वादे तो पूरे नहीं हुए लेकिन महंगाई जरूर बढ़ गई। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस समेत हर चीज महंगी हो गई। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। उन्हें गाड़ियों से कुचला जा रहा है। कोरोना काल में भाजपा ने जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया है। जनता के सपनों को चकनाचूर करने वाली भाजपा का सफाया तय है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ चुकी है। कोरोना काल में मजदूरों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। मजदूरों पर लाठियां बरसायी गयीं। तमाम लोगों की जान चली गयी। प्रदेश सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाले मजदूरों की कोई मदद नहीं की जबकि सपा ने पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद की। सीएम योगी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि परिवार वाले ही परिवारवालों का दुख-दर्द समझ सकते हैं, जिनके पास परिवार नहीं है वे जनता की परवाह नहीं करेंगे। जो अपने को दमदार सरकार वाले कहते हैं वे दमदार सरकार नहीं बल्कि दमदार झूठ बोलने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था लेकिन सरकार बताए कि साढ़े चार साल में कितनों को रोजगार दिया? भाजपा सरकार ने जनता के सपनों को चकनाचूर कर दिया है। कुचल दिया है। बुंदेलखंड की जनता ने भाजपा को सभी सीटें दे दी लेकिन उनको कुछ नहीं मिला। इस बार यहां की जनता बुंदेलखंड से भाजपा का सफाया कर देगी। उन्होंने कहा कि अब जब चुनाव आने वाले हैं तो सरकार को युवाओं को टैबलेट और स्मार्ट फोन देने की सुध आयी है। जिन्हें खुद लैपटॉप चलाने नहीं आता वे युवाओं को लैपटॉप क्या देंगे?

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

समाजवादी विजय रथ यात्रा में उमड़ी भीड़

सपा प्रमुख अखिलेश यादव तीन दिन के दौरे पर बुंदेलखंड में है। यहां से उन्होंने समाजवादी विजय रथ यात्रा को रवाना किया। रथयात्रा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की एक झलक पाने के लिए लोग वहां पहुंचे थे। इस दौरान वहां यूपी का यह जनादेश, आ रहे हैं अखिलेश का नारा गूंजता रहा। लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

आंदोलन की रणनीति पर संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक टली

अब चार दिसंबर को होगी बैठक आंदोलन रहेगा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद सत्र में कृषि कानूनों की वापसी के बाद आंदोलन की नई रणनीति को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की आज की बैठक टल गयी है। अब चार दिसंबर को बैठक होगी। वहीं, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि जब तक सरकार किसानों की मांगे नहीं मानती, आंदोलन जारी रहेगा।

किसान नेता दर्शनपाल सिंह ने बैठक रद्द होने पर सफाई देते हुए कहा, आज 32 किसान संगठन और वे लोग जो सरकार के साथ बातचीत के लिए जाते थे, उनकी बैठक बुलाई गई है। गलती से घोषणा हो गई कि संयुक्त किसान मोर्चे की बैठक है। वहीं राकेश टिकैत ने कहा, बैठक 4 दिसंबर को होनी है। आज की बैठक किसान संगठनों के बीच है। टिकैत ने अपनी मांगों को दोहराते हुए कहा, 50-55 हजार मुकदमे जो आंदोलन के दौरान दर्ज हुए हैं, वे वापस लिए जाएं, एमएसपी गारंटी कानून बने, जिन किसानों ने जान गंवाई है, उन्हें मुआवजा मिले, जो ट्रैक्टर बंद हैं उन्हें ट्रैक्टर दिए जाएं।

सांसदों के निलंबन पर नहीं टूटा गतिरोध राज्य सभा में हंगामा

गांधी प्रतिमा पर विपक्षी सांसदों ने किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा से विपक्ष के 12 सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर संसद में आज भी गतिरोध नहीं टूटा। विपक्ष के हंगामे के चलते राज्य सभा की कार्यवाही को कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा। निलंबन रद्द करने की मांग को लेकर विपक्षी नेता संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी शामिल हुए।

विपक्ष सांसदों के निलंबन को वापस लेने पर अड़ा हुआ है। उसका तर्क है कि पिछले सत्र में हुई घटना के लिए इस सत्र में निलंबन कानून सम्मत नहीं है जबकि सत्ता पक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि निलंबित सांसद माफी मांग लें तो सबकुछ ठीक हो जाएगा। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने राज्यसभा में 12 सांसदों के निलंबन का मुद्दा उठाया। विपक्ष के भारी हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोक सभा में भी यह मुद्दा उठा।

सरकार की विकास गाथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा ने कसी कमर

» सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेंगी यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी ने एक अभियान से प्रदेशभर को मथने के लिए कमर कस ली है। जन-जन तक केंद्र और प्रदेश सरकार की विकास गाथा पहुंचाने के लिए छह यात्राएं निकालने जा रही है, जो सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेंगी।

केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई संगठन की अहम बैठक में इसकी रूपरेखा बनाई गई। तारीखें अभी तय नहीं हैं, लेकिन निर्णय हो चुका है कि समापन एक साथ लखनऊ में होगा। उसमें प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हो सकते हैं। चुनाव में विजय पताका फहराने के लिए सभी दल मैदान में उतर चुके हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में यात्राएं निकाल रहे हैं। पहले जन आशीर्वाद यात्रा निकाल चुकी भाजपा फिर यात्रा लेकर जनता के बीच जाएगी। इस बैठक में धर्मेंद्र प्रधान ने कार्यकर्ताओं को बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां जनता को बताने के लिए सभी छह क्षेत्रों से यात्राएं निकाली जाएंगी। यात्राओं की विस्तृत रूपरेखा बन रही है।

भाई-भतीजावाद को खत्म करने की जरूरत : पाठक

बैठक में कानून मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा केंद्र सरकार की 7.5 सालों की उपलब्धि और पांच वर्षों की प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर जाएगी। 2017 के चुनाव से पहले जब यात्रा निकाली गई थी, तब हमने पूर्ववर्ती सरकार की खामियों को जनता के बीच उजागर किया, जबकि इस बार हम अपनी उपलब्धियां बताने और जनता का आशीर्वाद लेने फिर से उनके बीच जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से चली आ रही भाई-भतीजावाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, जातिवाद, मत और मजहब के दायरे में कैद होकर चली आ रही राजनीति को प्रधानमंत्री मोदी ने बदला है। इस बारे में राजनीतिक दल व उनके लोग भले ही बात न करते हों, लेकिन समाज के आम आदमी भी उनकी गरीब कल्याण की योजनाओं से प्रसन्न हैं। इसलिए सभी कार्यकर्ता अपने-अपने जिलों में यात्राओं के स्वागत की तैयारी करें।

कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत : सुनील बंसल

भाजपा संगठन के प्रदेश महामंत्री सुनील बंसल ने कहा कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। आगामी विधानसभा के चुनाव में विजय का परचम लहराने के लिए अधिक से अधिक नए सदस्य बनाएं। प्रत्येक बूथ प्रभारी को 100 नए सदस्य बनाने हैं। साथ ही सभी प्रमुख पदाधिकारियों को भी 100-100 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हर हालत में पूरा करना है। सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत लगानी होगी। प्रत्येक बूथ में घर-घर जाकर जनसंपर्क करना होगा, तभी इस अभियान में सफलता हासिल हो पाएगी। 2022 में होने वाले विधानसभा के चुनाव में सफलता पाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी तरह से जागरूक रहने की आवश्यकता है।

अब पाक से बाहर नहीं निकलते आतंकवादी : स्वतंत्र देव

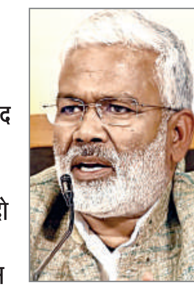

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह आजमगढ़ जिला पहुंचे, जहां उन्होंने दुर्वासा धाम के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जिले की लाइफ लाइन बनेगी, भले ही इसमें दो से दस साल का समय लगे। एक वक्त था देश में बम फटते थे लेकिन आज आतंकी पाकिस्तान से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और राज्य विश्वविद्यालय जिले को आजमगढ़ से आर्यमगढ़ बनाएगा। राज्य विवि विश्व के सबसे शक्तिशाली योद्धा महराजा सुहेल देव को समर्पित है और एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण हो चुका है। यह एक्सप्रेस-वे आने वाले दिनों में निजामाबाद के ब्लैक पॉटरी उद्योग और मुबारकपुर के साड़ी उद्योग को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। दो, चार, छह साल जरूर लग सकते हैं लेकिन ऐसा होना सुनिश्चित है। इससे जिले का औद्योगिक विकास होगा। विकास के पथ पर जनपद अग्रसर होगा और रोजगार के साधन बढ़ेंगे।

न्यायमूर्ति धर्म के आधार पर नहीं, संविधान के आधार पर चलते हैं: रंजन गोगोई

» सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने बैठक में रखे अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एवं सांसद जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा न्यायमूर्ति धर्म के आधार पर नहीं चलता, हम संविधान के आधार पर चलते हैं। श्रीराम मंदिर का निर्णय मेरा नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट का था। श्रीराम मंदिर का निर्णय तथ्यों के आधार पर हुआ है भावनाओं पर नहीं। जस्टिस रंजन गोगोई ने बात पिछले दिनों अपनी वाराणसी यात्रा के दौरान कही।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस रंजन गोगोई ने वाराणसी के केदारघाट स्थित श्रीकरपात्री धाम में युवा चेतना के द्वारा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषयक संवाद को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग के श्रम के बल पर ही देश का विकास हो सकता है। हर दौर में युवाओं ने भारत का मान बढ़ाया। उन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य, स्वामी करपात्री महाराज व स्वामी सदानंद सरस्वती वेदांती जी को पुष्पांजलि अर्पित की। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा कि युवाओं के बल पर ही भारत को विश्व गुरु बनाना है। भारत वर्ष एवं सनातन धर्म सदा जस्टिस रंजन गोगोई का ऋणी रहेगा। प्रभु राम मंदिर निर्माण के निर्णय ने सनातन धर्म को मानने वाले लोगों को नई ऊर्जा दी है। जस्टिस गोगोई ने जिस निडरता के साथ प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण का निर्णय दिया उससे यह स्पष्ट होता है कि वह आज भी युवा हैं।

कांग्रेस की शर्त, हर उम्मीदवार को बनाने होंगे 10 हजार नए सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ने की दावेदारी करने वालों को 10 हजार लोगों को सदस्यता दिलानी होगी। चुनाव के ऐन पहले सदस्य बनाने के टॉरगेट ने दावेदारों को मुश्किलों में डाल दिया है। दावेदारों को प्रति सदस्य पांच रुपए शुल्क भी लेना है। गोरखपुर जिले की 9 विधानसभा सीटों पर 68 ने दावेदारी की है। एक-दो दावेदारों को छोड़ दें तो शेष के लिए सदस्यता अभियान बड़ी परीक्षा ले रहा है।

कांग्रेस के दावेदारों को पार्टी फंड में 11 हजार रुपये जमा कराना पड़ा था, जिसके बाद सोमवार को गोरखपुर-बस्ती मंडल के करीब 350 दावेदारों का एनेक्सी भवन में लंबा साक्षात्कार हुआ। अब दावेदारों की नई परीक्षा सदस्यता अभियान को लेकर है। 26 नवम्बर को लखनऊ में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शुरू किए गए अभियान के बाद दावेदारों को 10-10 हजार सदस्य बनाने का टॉरगेट दिया गया है। जो सदस्य नहीं बना पाएंगे, उनकी दावेदारी पर संकट खड़ा होना तय है। खजनी क्षेत्र से एक दावेदार कहते हैं कि मुश्किल पांच रुपये की सदस्यता शुल्क नहीं है, 10 हजार लोगों को तलाशना है। हालांकि गोरखपुर ग्रामीण सीट से एक दावेदार का दावा है कि उन्होंने पहले से ही बूथ लेवल पर 6500 कार्यकर्ताओं को तैयार कर रखा है।

श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं से कराएं लाभान्वित : भराला

श्रम कल्याण परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश श्रम कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुनील भराला ने कहा केंद्र व प्रदेश की सरकार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दे रही है। इसी के दृष्टिगत श्रमिक परिवार की महिलाओं का जीवन स्तर ऊपर उठाने एवं उनके कल्याण के लिए स्व. सुषमा स्वराज के नाम पर श्रम कल्याण परिषद की 9वीं योजना संचालित करने का श्रम कल्याण बोर्ड ने निर्णय लिया है, जिसमें श्रमिक परिवार की अत्यन्त गरीब एवं असहाय महिलाओं को सिलाई मशीन देकर उन्हें अपने परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

भराला विधान भवन स्थित तिलक हाल में श्रम कल्याण परिषद की 82वीं बोर्ड की बैठक कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के उत्थान के लिए अनेकों लाभकारी योजनाएं चला रही है, जिसका लाभ पात्रों को समय से मिले। इसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों/कर्मचारियों की बनती है। उन्होंने सचिव बोर्ड को निर्देशित किया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में परिषद की योजनाओं से पात्रों को लाभान्वित करने के लिए प्रदेशभर में निर्धारित लक्ष्य 25 हजार के सापेक्ष जिन जनपदों की प्रगति पांच प्रतिशत से कम है वहां के विभागीय अधिकारियों से इस संबंध में स्पष्टीकरण लिया जाय। साथ ही औद्योगिक/व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए जिला एवं मण्डल स्तर पर खेल विभाग के सहयोग से खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन की भी व्यवस्था करायी जाए। उन्होंने कहा कि चेतन चौहान खेलकूद योजना के तहत सबसे पहले फतेहपुर, अमेठी, पीपरी (सोनभद्र) तथा मेरठ में ये प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसके पश्चात अन्य जनपदों में भी ऐसे कार्यक्रम होंगे। भराला ने कहा बोर्ड में विचार-विमर्श के बाद श्रवण कुमार श्रमिक परिवार धार्मिक पर्यटन योजना का नाम बदलकर अब श्रवण कुमार तीर्थ यात्रा योजना कर दिया गया है। इसके तहत 10 नवम्बर को पहली पर्यटन यात्रा लखनऊ से अयोध्या रवाना की गयी। अब वाराणसी से मां विन्ध्यवासिनी-प्रयागराज तक, गोरखपुर से अयोध्या तक तथा मेरठ से शाकुम्भरी देवी दर्शन तक के लिए आगामी यात्रा रवाना की जाएंगी।

अब युवा मतदाताओं को साधने में जुटी भाजपा, सम्मेलनों से बनाएगी पैठ

» युवाओं से संवाद करने की तैयारी, पार्टी करेगी कई कार्यक्रम

» विधान सभा चुनाव से पहले दिग्गजों को उतारा मैदान में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सरकार की गिनाई जाएंगी उपलब्धियां

युवाओं से संवाद के दौरान भाजपा नेता सरकार की पिछले पांच साल की उपलब्धियां गिनाएंगे। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि मोदी और योगी की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के लिए क्या-क्या काम किया है।

लखनऊ। यूपी में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा ने कमर कस ली है। विधान सभा चुनाव में वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। वह हर वर्ग तक पहुंचने की मुहिम में जुटी है। इसी कड़ी में अब उसकी नजर प्रदेश के युवा मतदाताओं पर है। युवाओं के बीच पैठ बनाने के लिए भाजपा ने न केवल दिग्गज नेताओं को मैदान में उतार दिया है बल्कि पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम और सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। इसके जरिए वह युवाओं से संवाद स्थापित करेगी।

भाजपा में सबसे मजबूत इकाई युवा मोर्चा की मानी जाती है। युवा मोर्चा से तमाम नेता राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे हैं। जिन्होंने पार्टी को मजबूत करने का काम किया है इसलिए भाजपा में सभी नेता युवा मोर्चा के माध्यम से राजनीति की शुरुआत करना चाहते हैं। विधान सभा चुनाव में भाजपा युवा मोर्चा की शक्ति का प्रयोग करेगी इसलिए दिसंबर में युवाओं का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन 20 से 25 दिसंबर के बीच में होंगे। इसमें महानगर का सम्मेलन अलग होगा। शहर के युवाओं को एकत्र किया जाएगा। सम्मेलन में प्रदेश और केंद्र के पदाधिकारी आएंगे जो युवाओं को संबोधित करेंगे। उन्हें पार्टी की नीतियों के बारे में बताएंगे। साथ ही युवाओं की देश में सहभागिता के बारे में जानकारी देंगे। युवा मोर्चा संगठन की सबसे बड़ी ताकत है क्योंकि यहां से निकलने कार्यकर्ता की आगे लंबी पारी होती है इसलिए संगठन उन्हें मांजने का काम करता है। वहीं, जिले का अलग सम्मेलन होगा। इसमें देहात के युवाओं को जोड़ा जाएगा। उन्हें देश के साथ ही करियर के बारे में भी बताया जाएगा। वह करियर के क्षेत्र में कैसे आगे बढ़े इसके लिए भी उन्हें प्रेरित किया जाएगा। अलीगढ़ के जिलाध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह ने कहा कि गांवों में युवाओं के बीच संगठन के पदाधिकारी जाएंगे और पार्टी की नीतियों के बारे में बताएंगे।

संगठन हुआ सक्रिय

उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव में सफलता दिलाने के लिए दिग्गजों ने कमान संभाल ली है। चुनाव प्रभारी केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, प्रदेश प्रभारी पूर्व केन्द्रीय मंत्री राधामोहन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व डॉ. दिनेश शर्मा, कानून मंत्री बृजेश पाठक और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल सक्रिय हो चुके हैं।

प्रदेश भर में निकाली जाएंगी विकास यात्राएं

भाजपा विधान सभा चुनाव के लिए राज्य स्तर पर छह यात्राएं लेकर यूपी की जनता के बीच जाएगी। इसमें भी प्रदेश के विकास कार्य के साथ उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को शीर्ष वरीयता पर रखकर लोगों को सरकार के कार्यों की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए संगठन ने विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। इसमें तय किया गया है कि प्रदेश के छह क्षेत्रों से छह विकास यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं के जरिए 25 करोड़ की आबादी तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन यात्राओं का समापन लखनऊ में होगा। यह कार्यक्रम काफी वृहद रूप से किया जाएगा।

चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर, दावेदारों की शुरू हुई परीक्षा

रिपोर्ट के बाद प्रत्याशी की घोषणा करेगी पार्टी अन्य जिलों में भी शुरू होगा साक्षात्कार

» गोरखपुर-बस्ती मंडल में स्क्रीनिंग कमेटी के सामने पहुंचे तमाम दावेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में लंबे समय से सियासी वनवास काट रही कांग्रेस पूरे जोर-शोर से विधान सभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के अकेले दम पर चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद कांग्रेस में टिकट की दावेदारी भी शुरू हो गयी है। नेताओं ने अपनी दावेदारी पेश करनी शुरू कर दी है। पिछले दिनों गोरखपुर में कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्य एवं महाराष्ट्र सरकार में शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने गोरखपुर-बस्ती मंडल के दावेदारों का साक्षात्कार लिया। बड़ी संख्या में आए कांग्रेस नेताओं ने अपने सकारात्मक पक्ष बताकर टिकट के लिए दावेदारी पेश की। स्क्रीनिंग कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर राज्य स्तरीय कमेटी टिकट बंटवारे पर अंतिम फैसला करेगी।

टिकट के दावेदारों के दावों की मजबूती परखने के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की सदस्य गोरखपुर आयीं। गोरखपुर-बस्ती मंडल की 41 विधान सभा क्षेत्रों के दावेदारों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया गया। गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, बस्ती एवं सिद्धार्थनगर जिलों के सभी दावेदारों से एक-एक कर साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार के दौरान राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी, पूर्वी जोन की अध्यक्ष सहला अहरारी, जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान, डा. अविनाश पति त्रिपाठी, अनिल सोनकर आदि मौजूद रहे। साक्षात्कार के लिए बड़ी संख्या में महिला दावेदार भी पहुंचीं। साक्षात्कार के दौरान जिले की नौ विधान सभा सीटों के लिए 68 लोगों ने दावेदारी पेश की है। गोरखपुर शहर और ग्रामीण विधान सभा सीट पर 10-10 दावेदारों ने आवेदन किया है। वहीं कैम्पियरगंज से आठ, पिपराइच से सात, सहजनवां से आठ, खजनी से सात, चौरीचौरा से पांच, बांसगांव से आठ और चिल्लूपार से चार दावेदारों ने आवेदन किया है।

प्रियंका की घोषणा का भी दिख रहा असर

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देने की घोषणा की है। इस घोषणा का असर नजर आ रहा। गोरखपुर-बस्ती मंडल की 41 विधान सभा सीटों से 70 महिलाओं ने दावेदारी पेश की है।

कार्यकर्ताओं में भी जोश

प्रियंका गांधी के यूपी की कमान संभालने के बाद से कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जोश भर गया है। खुद प्रियंका लगातार प्रदेश का दौरा कर लोगों से संवाद स्थापित करने की कोशिश कर रही है। वे लगातार प्रदेश सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेर भी रही हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सड़क हादसों से सबक कब?

“ सवाल यह है कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा क्यों हो रहा है? हर साल हजारों लोग हादसों का शिकार होकर दम क्यों तोड़ रहे हैं? क्या अप्रशिक्षित ड्राइवर, रफ्तार और खराब सड़कें इसके लिए जिम्मेदार हैं? आखिर यातायात विभाग क्या कर रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने सड़कों और पुलों की गुणवत्ता को खराब कर दिया है?

प्रयागराज में सड़क हादसे में पांच लोगों ने दम तोड़ दिया जबकि रायबरेली में रोडवेज की बस दुर्घटना के बाद जलकर राख हो गयी। आग की चपेट में आकर एक दर्जन से अधिक यात्री झुलस गए। वहीं शाहजहांपुर में कोलाघाट का पुल ढह गया। ये घटनाएं ये बताने के लिए काफी हैं कि सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सरकारी तंत्र किस कदर लापरवाही बरत रहा है। सवाल यह है कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में इजाफा क्यों हो रहा है? हर साल हजारों लोग हादसों का शिकार होकर दम क्यों तोड़ रहे हैं? क्या अप्रशिक्षित ड्राइवर, रफ्तार और खराब सड़कें इसके लिए जिम्मेदार हैं? आखिर यातायात विभाग क्या कर रहा है? क्या भ्रष्टाचार ने सड़कों और पुलों की गुणवत्ता को खराब कर दिया है? क्या लोगों के जीवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है? यातायात नियमों का उल्लंघन करने से लोगों को रोकने की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है?

उत्तर प्रदेश में आए दिन सड़क हादसों में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। इसका ग्राफ साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। सरकार के तमाम दावों और सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के बावजूद स्थितियों में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। सड़कों की बनावट और स्पीड ब्रेकर के निर्माण में मानकों को दरकिनार कर दिया गया है। सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। हैरानी की बात यह है कि सड़कों के गड्ढों को ढंकने के लिए पैचवर्क भी ठीक से नहीं किया गया है। वहीं दूसरी ओर दलालों के कारण बिना किसी जांच के ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध हो जाते हैं। इसका खामियाजा यह होता है कि ऐसे ड्राइवर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए सड़क पर वाहनों को दौड़ाते हैं। शराब पीकर और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के कारण भी सड़क हादसों में इजाफा हुआ है। हाईवे पर स्थितियां और भी खतरनाक होती है। रात होते ही चालक निर्धारित गति से तेज वाहन चलाते हैं और अचानक किसी के सामने आने पर अपना संतुलन खो बैठते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। शहरों में यातायात की समुचित व्यवस्था और निगरानी तक नहीं हो रही है। कई शहरों में चौराहों पर सिग्नल सिस्टम काम नहीं करता है। वहीं यातायात पुलिस भी नदारद रहती है। ऐसे में स्थितियां बेकाबू हो जाती हैं और हादसों की वजह बन जाती हैं। जाहिर है, यदि सरकार हादसों को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे न केवल सड़कों की गुणवत्ता और मानकों को ध्यान में रखना होगा बल्कि यातायात व्यवस्था को भी दुरुस्त करना होगा। इसके अलावा सरकार को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से सख्ती से पेश आना होगा अन्यथा हादसों में लोगों की जान जाती रहेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक विकल्प बनाने में पेंच

प्रभु चावला

विजेता शिकारी होते हैं। हर चुनाव के बाद कांग्रेस से लेकर भाजपा तक, राष्ट्रीय पार्टियां बड़े सपने पाले असंतुष्ट और छोटे नेताओं को अपने खेमे में लाती हैं। बंगाल में ममता बनर्जी की जीत और हालिया उपचुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बाद केसरिया कवच-कुंडल के मुकाबले के लिए किसी योग्य व्यक्ति या गठबंधन की तलाश हो रही है। दीदी आक्रामकता के साथ स्थानीय नेताओं, बौद्धिकों, कलाकारों आदि को जोड़ने का बड़ा अभियान छेड़े हैं, ताकि अपनी भौगोलिक एवं सांस्कृतिक स्वीकार्यता का विस्तार कर सकें। तृणमूल कांग्रेस मेघालय से महाराष्ट्र तक आसान शिकार की खोज में है।

ममता बनर्जी का उद्देश्य क्षेत्रीय नेता से अखिल भारतीय राजनीतिक व्यक्तित्व बनने का है। दूसरी दफा कोई दल गंभीरता से भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरी राष्ट्रीय पार्टी बनने की कोशिश में है। एक दशक पहले एक अन्य महिला मुख्यमंत्री मायावती ने बसपा को दक्षिण समेत अनेक राज्यों में चुनाव लड़ाने का व्यर्थ प्रयास किया था। ममता अलग तरह की हैं। तीन बार के जनादेश के साथ उनके पास दो दशक से अधिक समय का प्रशासनिक अनुभव है। उन्हें लगता है कि बंगाल से बाहर पर फैलाने का समय आ गया है। राष्ट्रीय पहचान के लोगों को जोड़ने के साथ वे कांग्रेस नेताओं को भी आकृष्ट कर रही हैं, जिससे अलग होकर उन्होंने 1998 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की थी। बंगाल के चुनाव से पहले उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और अच्छे वक्ता यशवंत सिन्हा को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाने के साथ राष्ट्रीय अभियान शुरू किया था। बाद में भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों समेत मध्यम व निचले स्तर के कई नेता तृणमूल में लौटे, पर ऐसा लगता है कि ममता का मुख्य निशाना कांग्रेस है। बीते सप्ताह मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल संगमा 17 में से 11 कांग्रेस विधायकों के साथ तृणमूल में शामिल हुए। असम की असरदार युवा कांग्रेस नेता सुष्मिता देव के शामिल होने के बाद यह दूसरा बड़ा प्रकरण था। फिर गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एल फलेरो ने कांग्रेस छोड़ी और तृणमूल ने उन्हें राज्य सभा की सदस्यता देकर पुरस्कृत किया। फलेरो के बयान से दीदी की विस्तारवादी रणनीति का पता चलता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 40 वर्षों तक कांग्रेस के सिद्धांतों व विचारधारा को बचाने के लिए काम किया। कांग्रेस अब शरद पवार, ममता बनर्जी और जगन रेड्डी की पार्टियों में बंट गयी है। भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस परिवार को एकजुट होना होगा। पूर्व कूटनीतिक पवन वर्मा, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और कुछ पूर्व नौकरशाहों जैसे भाग्य की तलाश करनेवाले भी तृणमूल कांग्रेस में चले गये हैं।

राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य रूप से व्यक्तित्व केंद्रित होते जाने के साथ भारत एक वैकल्पिक नेता की तलाश में है, जो मोदी के नेतृत्व वाले भाजपा से राजनीति एवं शासन का बेहतर मॉडल दे सके। मोदी ने देश के बड़े हिस्से में सामुदायिक और जातिगत जुड़ावों को तोड़ दिया है तथा खुद को सभी जातियों, समुदायों और मुद्दों के मसीहा के रूप में स्थापित कर दिया है। इंदिरा गांधी के अलावा किसी और नेता को ऐसा स्तर नहीं मिला है। वे केवल एक बार हारी थीं और वह भी अपने अहंकार, भ्रष्टाचार और आपात काल के कारण। वह इसलिए संभव हो सका था कि विपक्ष के पास जय प्रकाश नारायण जैसा व्यक्तित्व था, जिन्होंने कांग्रेस विरोधी सभी समूहों को एकजुट किया था। राजीव गांधी को बड़ा बहुमत मिला पर पार्टी एकजुट न रह सकी और उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे। वे नेहरू-गांधी परिवार के पहले ऐसे सदस्य साबित हुए जो दूसरा कार्यकाल हासिल नहीं कर सका। यह इसलिए हो सका कि वीपी सिंह उत्तर से दक्षिण तक, सभी दलों को स्वीकार्य थे। वहीं से गठबंधन युग की वास्तविक शुरुआत हुई। पीवी नरसिम्हा राव की अल्पमत सरकार दल-बदल और छोटे दलों के विलय से कार्यकाल पूरा कर सकी थी। भाजपा ने कांग्रेस को अपदस्थ किया क्योंकि अटल बिहारी वाजपेयी के करिश्मा व विश्वसनीयता के कारण 20 छोटी पार्टियां एक साथ रहीं। ममता बनर्जी जेपी, वीपी, अटल या सोनिया गांधी नहीं हैं, जो एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में उभरीं और 2004 में उनके इर्द-गिर्द राष्ट्रीय वैकल्पिक आख्यान बना था। ममता क्षेत्रीय क्षत्रप हैं, जिन्हें राष्ट्रीय जनादेश के चुंबक के रूप में सामने आना है। शरद पवार जैसा बड़ा नेता भी क्षेत्रीय छवि से मुक्त नहीं हो सके। दीदी के प्रचारक भूल रहे हैं कि 200 से अधिक सीटों पर कांग्रेस ही भाजपा को टक्कर दे सकती है। अगर वे कुछ कांग्रेस नेताओं को लुभाती भी हैं, तो इससे भाजपा विरोधी मतों में ही विभाजन होगा और वे अपने पैरों पर ही कुल्हाड़ी मारेंगी।

महामारी से अब भी सतर्कता जरूरी

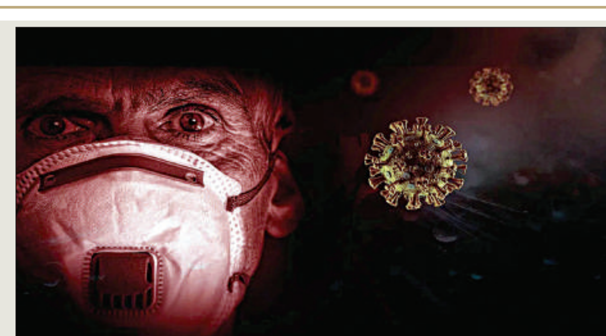

ईश्वर गिलाडा

कोरोना वायरस के तमाम वेरिएंट को देखें तो डेल्टा वायरस के बाद ओमिक्रॉन वह वायरस है, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ‘चिंताजनक’ बताया है। जो शुरुआती कोरोना वायरस था, उसे अल्फा कहा जाता है। जब भी कोई नया वेरिएंट आता है, तो सबसे पहले यह देखा जाता है कि वह अल्फा की तुलना में कितना अधिक या कम खतरनाक है। अब तक की जानकारी के अनुसार, ओमिक्रॉन वायरस अल्फा और डेल्टा की तुलना में तेजी से संक्रमित कर रहा है। दूसरी चीज यह देखी जाती है कि टीका ले चुके लोगों पर इसका कितना असर होता है। कुछ ऐसे भी मामले सामने आये हैं, जिनमें टीके की दोनों खुराक ले चुके लोगों को भी ओमिक्रॉन संक्रमित कर रहा है। इतना ही नहीं, बूस्टर डोज ले चुके लोग भी इसकी चपेट में आये हैं। तीसरी बात जो देखी जानी है, वह है कि क्या इसका संक्रमण अधिक गंभीर होता है और क्या यह जानलेवा हो सकता है। इन सभी पहलुओं पर दुनिया के अनेक देशों में अनुसंधान हो रहे हैं।

इस साल, जनवरी में जब डेल्टा वेरिएंट की जानकारी मिली थी, तब हमारे देश में सभी संक्रमितों में इस वायरस से पीड़ित लोगों की संख्या एक प्रतिशत के आसपास थी। यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ते हुए जुलाई में 99 प्रतिशत और अगस्त में 100 प्रतिशत तक आ गया। आज भी लगभग सभी संक्रमण डेल्टा वेरिएंट से ही हो रहे हैं। अगर डेल्टा का असर इतना व्यापक हो सकता है और उसका विस्तार 100 से अधिक देशों में हो सकता है, तो हमें इस आशंका को सामने रखना चाहिए कि अगर रोकथाम के समुचित उपाय नहीं हुए तो ओमिक्रॉन का संक्रमण भी वैश्विक समस्या बन सकता है। अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से से निकला यह वेरिएंट आज आधा दर्जन से अधिक देशों में पाया जा चुका है। भारत में जो यात्री दक्षिण अफ्रीका से आये हैं, उनके संक्रमण की जांच हो रही है। ऑस्ट्रेलिया में 24 घंटे के भीतर इस वायरस की पहचान कर ली गयी, लेकिन हमारे देश में अभी कुछ दिन लग सकते हैं।

यदि हम महामारी की वर्तमान स्थिति को देखें, तो भारत में स्थिति संतोषजनक है। इसकी दूसरी लहर लगभग समाप्त हो चुकी है और तीसरी लहर की कोई संभावना नहीं दिखती है। टीकाकरण की गति भी कुल मिला कर ठीक रही है, पर उसे तेज करने की जरूरत है। अभी हम कोई नया जोखिम नहीं ले सकते हैं। कोई नया वेरिएंट भारत को संक्रमित न करे, इसके लिए कुछ सुझाव प्रस्तावित हैं। अभी तक बहुत सारी हवाई उड़ानें शुरू नहीं हो सकी हैं। जब तक ओमिक्रॉन के बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल जाती, तब तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रोका जाना चाहिए। दिसंबर में बहुत सी उड़ानें शुरू होनेवाली हैं। उसे टाला जा सकता है। वैसे भी बहुत से देश उड़ानों पर रोक लगाने लगे हैं। जो यात्री बाहर से आ रहे हैं, उनकी जांच ठीक से होनी चाहिए। दूसरी बात यह है कि अभी टीकाकरण अभियान की गति ढीली है। इसे ठीक करना होगा. लोगों को टीका लेने के लिए प्रेरित करना होगा।जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सामुदायिक नेताओं और स्थानीय संस्थाओं की मदद लेनी चाहिए। टीके की दोनों खुराक के बीच 84 दिनों का अंतराल निर्धारित किया गया है, जो बहुत अधिक है। इसे कम किया जाना चाहिए। आबादी के 12 से 17 वर्ष आयु वर्ग के लिए वैक्सीन की अनुमति मिली है। उसकी आपूर्ति में देरी करने की कोई वजह नहीं है। इसके अलावा कुछ वैक्सीन परीक्षण की अवस्था में हैं। उसमें भी तेजी लानी चाहिए। ऐसा करने से किशोर सुरक्षित हो जायेंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि जो वैक्सीन अभी दी जा रही हैं, उनके आपात उपयोग की अनुमति के लगभग 11 माह हो चुके हैं। इस अवधि में 120 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। इस अनुभव के आधार पर उन्हें सामान्य उपयोग की मंजूरी देने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। भारत को अफ्रीकी देशों को टीका मुहैया कराने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। संक्रमण में कमी के साथ ही कोविड से संबंधित निर्देशों के पालन में लापरवाही बरती जा रही है। ऐसी लापरवाहियों का खामियाजा हम भुगत चुके हैं।

शायद ही कोई ऐसा भारतीय होगा, जिसका कोई परिजन या परिचित संक्रमण की चपेट में नहीं आया है। इसके बावजूद अगर हम सावधान नहीं हैं और हमें मास्क लगाने में भी परेशानी हो रही है, तो कतई उचित नहीं है। राजनीतिक, सामाजिक और चिकित्सा से जुड़े लोग किसी भी तरह की भ्रामक बयानबाजी न करें अगर लोग मास्क लगाएं तो हम किसी भी वेरिएंट को खतरनाक बनने से रोक सकते हैं। आम लोगों को वैक्सीन से संबंधित किसी भी तरह के दुष्प्रचार या अफवाह से बचना चाहिए और जल्दी टीके की खुराक लेनी चाहिए। यह बात हमें अपने दिमाग से निकाल देनी चाहिए कि कोविड महामारी खत्म हो गयी है। सवाल केवल नये वेरिएंट से बचाव का नहीं है बल्कि हमें मौजूदा वायरस को भी फैलने से रोकना है। मैंने अपनी यात्राओं में खुद अनुभव किया है कि लोगों में निश्चितता बढ़ रही है और कोविड निर्देशों का ठीक से पालन नहीं हो रहा है। यह सब तब हो रहा है, जब हर जगह निर्देशों के बारे में लिखा गया है। यह ठीक रवैया नहीं है। हमें किसी तरह की अफरा-तफरी से बचते हुए संक्रमण से बचाने के उपाय अपनाने चाहिए।

वर्क फ्राम होम में अपने सिटिंग एरिया को दें नेचुरल लुक

कोरोना महामारी ने पूरे विश्व की चाल बदल कर रख दी है, जिसका सीधा और अच्छा खासा असर एम्पलॉई और एम्पलॉयर पर देखने को मिला। इस कड़ी में वर्क फ्रॉम होम ज़रूरत बन गई और अब ट्रेंड में भी है। बेशक शुरुआती दौर में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे अब सभी वर्क फ्रॉम होम में खुद को अच्छे से ढाल चुके हैं। एक समस्या अभी भी है जो परेशान कर सकती है। वो ये कि आपका सिटिंग एरिया कैसा है? अगर आप अभी भी वही बोरिंग टेबल कुर्सी का इस्तेमाल कर ऑफिस का काम भेड़ चाल टाइप कर रहे हैं तो हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे अपने सिटिंग एरिया को आकर्षक ग्रीन प्लांट्स से सजाएं और अपने काम को सकारात्मक ऊर्जा देते हुए ग्रोथ पाएं। हरे पौधे आंखों को सुकून देते हैं। ऐसे में आप अपने वर्क प्लेस में ग्रीन प्लांट्स लगाएंगे तो अपने काम में खुद ही अद्भुत बदलाव देखेंगे।

मनी प्लांट

मनी प्लांट एक ऐसा पौधा है जो हर घर की शोभा बढ़ाता है और इसे आपके घर के लिए बहुत लकी माना जाता है इसलिए लोग अक्सर मनी प्लांट अपने घर में लगाते हैं। इसे आप अपने सिटिंग एरिया या वर्क प्लेस पर लगा कर एक पॉजिटिव एटमॉस्फेयर दे सकते हैं। इस पौधे को एक अच्छा वायु शोधक कहा जाता है।

तुलसी का पौधा

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का बड़ा महत्व होता है और तुलसी का पौधा लगभग हर घर में पाया जाता है। इसके कई सारे औषधीय लाभ भी हैं। इसकी पूजा होती है साथ ही इसे शुभ भी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि अगर तुलसी आपके घर में होगी तो इससे आपकी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी।

एलोवेरा

एलोवेरा का पौधा नकारात्मक ऊर्जा दूर करता है। इसे अपने वर्क प्लेस पर लगाना काफी फायदेमंद होगा। एलोवेरा का प्लांट कार्बन डाइऑक्साइड को सोख लेता है और ऑक्सीजन छोड़ता है। इसका जेल आपके बालों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है।

बांस का पौधा

बांस का पौधा काफी भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने में मदद करता है। बांस को दीर्घायु, समृद्धि और खुशी का प्रतीक माना जाता है। इस भाग्यशाली पौधे को आमतौर पर समूह में रखा जाता है जैसे कि दो डंठल, तीन डंठल और पांच डंठल। यह अच्छे स्वास्थ्य, सफलता, पूरे परिवार के समग्र विकास को बढ़ावा देता है। इसे भी आप अपने वर्क प्लेस पर लगा सकते हैं।

हंसना मना है

चाचा बतोले: बच्चों, लो लड्डू खाओ... आज स्वतन्त्रा दिवस है। छछूंदर: नहीं चाचा जी, आज तो गणतंत्र दिवस है। चाचा बतोले: सो तो है बिटवा, पर आज ही के दिन हमरी सासू मां स्वर्ग सिधार गई थी तो हमरे लिए आज ही स्वतन्त्रता दिवस है।

राजू: सर मुझे कुछ याद नहीं रहता है। टीचर: अच्छा बताओ कि क्लास में तुम्हारी पिटाई कब हुई थी? राजू: सोमवार को। टीचर: यह कैसे याद रह गया? राजू: सर प्रैक्टिकल में नहीं, थ्योरी में प्रॉब्लम है।

दादी: लगता है उस लड़की को लकवा हो गया है, देख कैसे उसका एक हाथ ऊपर हो रहा है और मुंह पिचका सा हो गया है। पोता। दादी लकवा नहीं, वह सेल्फी ले रही है...

70 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगाई। जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा: इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं आप? महिला- जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज: वो कैसे? महिला: इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपने कान की मशीन निकाल देते हैं।

कहानी: कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल! हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं ? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो ? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाये, यह क्या है ? हौज में दूध के बदले पानी! मेरे हुक्म का ऐसा अनादर बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है ? बीरबल! ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेस बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप ? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है ? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते ? बादशाह का हुक्म था, इसलिए...। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न ? बीरबल ने कहा, मतलब ? सेठ ने बताया, देखिए! किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया तो क्या फर्क पड़ता है ? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गये। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर! अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या ? अकबर ने कहा, नहीं, नहीं, इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा- हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: किसी पार्टी या समारोह में हुआ भारी खर्च अब आपको परेशान कर सकता है। लाइफस्टाइल पर ध्यान दें, आप बीमारी के शिकार हो सकते हैं। आज कोई आपका दिल दुखा सकता है।

वृषभ: किसी सौदे से आपको बड़ा धन मिलने की संभावना है। अपने वर्तमान परिवेश को बदल सकते हैं। कुछ छात्रों को कड़ी प्रतिस्पर्धा में सफलता मिल सकती है।

मिथुन: घरेलू मोर्चे पर परिवार व जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कर्क: परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात हो सकती है। साथ में यात्रा के भी योग हैं। जरूरी काम निपटाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। एक उपहार मिलने की संभावना है।

सिंह: कार्यक्षेत्र में निर्णय महत्वपूर्ण साबित होंगे। आर्थिक मदद लेनी पड़ सकती है। जो लोग अस्वस्थ हैं, उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। यह पूर्ण आनंद का समय है इसलिए आगे ध्यान रखें।

कन्या: शादी का इंतजार कर रहे युवाओं को इंतजार करना होगा। लंबी यात्रा की योजना बनाने से पहले सावधान रहें। फ्लैट या प्लॉट के ड्रॉ में भाग्यशाली हो सकते हैं। संपत्ति खरीदने के योग हैं।

तुला: रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक: नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

धनु: शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

मकर: रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है।

कुम्भ: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा।

मीन: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। दिन प्रतिकूल रह सकता है। अधिक लोभ-लालच न करें। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

आमिर खान की फिल्म में काम करेंगे रणबीर कपूर?

आमिर खान और रणबीर कपूर बॉलीवुड में सबसे मशहूर अभिनेताओं में से एक हैं, और एक दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड भी शेयर करते हैं। वास्तव में, आरके ने आमिर खान अभिनीत 2014 की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म पीके में भी एक विशेष भूमिका निभाई थी। उनके फैंस कई सालों से उन्हें किसी अन्य प्रोजेक्ट के लिए बड़ा सहयोग करते देखने का इंतजार कर रहे हैं और ऐसा लगता है कि यह कल्पना जल्दी ही सच होने वाली है। रिपोर्ट्स के अनुसार आमिर खान और रणबीर कपूर जल्द ही एक रोमांचक प्रोजेक्ट में साथ नजर आएंगे। इस बारे में बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, अभी तक इस सहयोग के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। हालांकि आमिर और रणबीर दोनों को एक स्क्रिप्ट पसंद आई है और उन्होंने इसका हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। वे अब कई सालों से एक साथ काम करने के लिए आगे आ सकते हैं और आखिरकार उन्हें वह स्क्रिप्ट मिल गई है जो दोनों को पसंद आई। आमिर फिल्म का निर्माण करेंगे और 2022 की दूसरी छमाही में फिल्म शुरू होने की सबसे अधिक संभावना है। बाकी सब कुछ ज्यादा स्पष्ट होना अभी बाकी है। दिलचस्प बात यह है कि 2016 में करण जौहर की ऐ दिल है मुश्किल की रिलीज के बाद आमिर ने आरके और फिल्म की प्रशंसा सोशल मीडिया पर की थी। उन्होंने लिखा था कहा, अभी-अभी ऐ दिल। देखी। क्या फिल्म है! मुझे ये फिल्म बहुत पसंद आई! करण ने गेंद को स्टेडियम के बाहर मारा है। रणबीर, ऐश्वर्या और अनुष्का ने अच्छा काम किया है।

फिर रोमांस करेंगे शाहरुख खान और रानी मुखर्जी

बॉलीवुड | गपशप

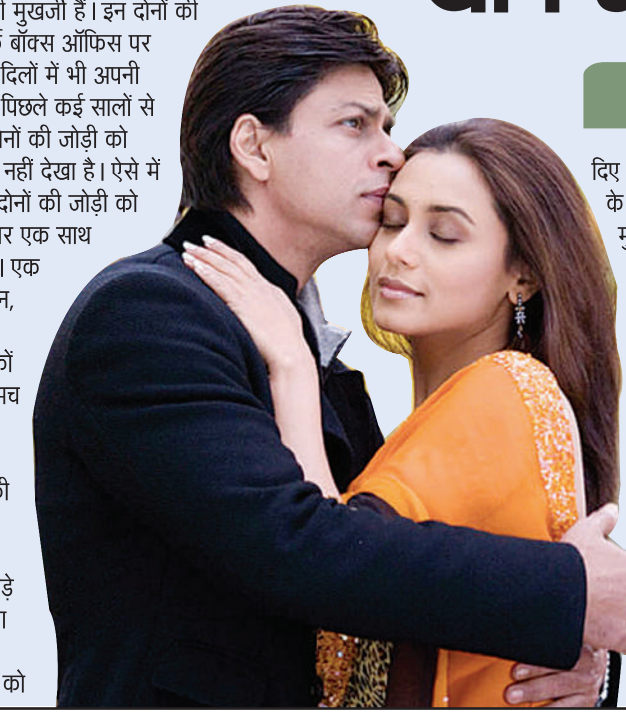

बॉलीवुड की आईकॉनिक जोड़ियों में से एक शाहरुख खान और रानी मुखर्जी की जोड़ी है। कई सालों तक रानी मुखर्जी और शाहरुख खान की जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर राज किया था। काजोल के बाद अगर शाहरुख खान को किसी और एक्ट्रेस के साथ बड़े पर्दे पर पसंद किया गया तो वह रानी मुखर्जी हैं। इन दोनों की जोड़ी ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर बल्कि लोगों के दिलों में भी अपनी जगह बनाई है। पिछले कई सालों से दर्शकों ने इन दोनों की जोड़ी को किसी फिल्म में नहीं देखा है। ऐसे में कई दर्शक इन दोनों की जोड़ी को वापस बड़े पर्दे पर एक साथ देखना चाहते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान, रानी मुखर्जी ने बताया कि दर्शकों का यह सपना सच हो सकता है। रानी मुखर्जी ने बताया कि उनकी और शाहरुख खान की जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। बॉलीवुड लाइफ को दिए एक इंटरव्यू के दौरान, रानी मुखर्जी ने बताया कि उनके पति आदित्य चोपड़ा उन्हीं फिल्मों को बनाना पसंद करते हैं जिनमें उनको विश्वास रहता है। रानी मुखर्जी ने आगे यह साझा किया कि वह और उनके पति एक दूसरे के साथ प्रोफेशनल्स की तरह काम करते हैं। जब उन्हें कोई स्क्रिप्ट मिलती है और उन्हें लगता है कि उन्हें यह सब करना चाहिए तब वह यह सोचती है कि उनके पति यह फिल्म प्रोड्यूस करें। जब उनके पति कोई फिल्म प्रोड्यूस करते हैं वह तभी उन फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने बताया कि वह प्रोजेक्ट बनाने में विश्वास नहीं बल्कि फिल्म बनाने में विश्वास रखते हैं। इसके बाद रानी मुखर्जी ने यह साझा किया कि अगर कोई ऐसी अपॉर्चुनिटी मिलेगी जहां स्क्रिप्ट को पढ़कर उनके प्रति आदित्य चोपड़ा को यह लगेगा कि इस फिल्म में रानी मुखर्जी और शाहरुख खान की जोड़ी अच्छी लगेगी, तब वह यह फिल्म जरूर बनाएंगे। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर कोई ऐसी स्क्रिप्ट आती है तब बड़े पर्दे पर रानी मुखर्जी और शाहरुख खान की जोड़ी एक बार फिर देखने को मिल सकती है।

मेडे अब 34 रनवे

बॉलीवुड | मसाला

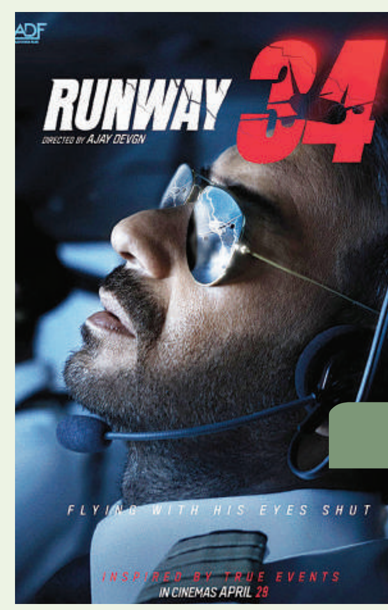

अमिताभ बच्चन, अजय देवगन की फिल्म मेडे में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के जरिए अजय देवगन डायरेक्शन में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। ये फिल्म अगले साल ईद के मौके पर 29 अप्रैल 2022 को रिलीज होगी। मेडे का नाम बदलकर रनवे 34 कर दिया है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर इसकी घोषणा की है।

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। फोटो के साथ अमिताभ बच्चन ने लिखा, मेडे अब 34 रनवे है। अपनी कुर्सी की पेटी बांध लें और कसकर बैठ जाएं। सच्ची घटनाओं पर आधारित रनवे 34 29 अप्रैल 2022 को लैंड कर रही है। फिल्म में अमिताभ बच्चन के अलावा अजय देवगन, कैरीमिनाटी, बोमन ईरानी और रकुलप्रीत सिंह अहम रोल में हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार अजय देवगन की ये फिल्म जेट एयरवेज की दोहा-कोच्चि उड़ान के 2015 में हुई घटना से प्रेरित है। मंगलवार 18, अगस्त 2015 को सुबह फ्लाइट 9W 555 में 141 यात्री और क्रू के 8 सदस्य सवार थे। कोच्ची में खराब विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट लैंड नहीं हो पा रही थी। विमान को फिर त्रिवेंद्रम ले जाया गया। तीन असफल प्रयासों के बाद विमान केवल 250 किलो ईंधन के साथ त्रिवेंद्रम हवाई अड्डे पर उतरा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन पायलट का रोल निभाएंगे। वहीं, रकुलप्रीत सिंह भी पायलट का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म के जरिए पॉपुलर यूट्यूबर अजय नागर उर्फ कैरीमिनाटी भी डेब्यू करने जा रहे हैं।

अजय देवगन और अमिताभ बच्चन इससे पहले फिल्म सत्याग्रह में साथ नजर आए थे। इसके अलावा 90 के दशक में दोनों ने मेजर साहब फिल्म में काम किया था। अमिताभ बच्चन इसके अलावा रणबीर कपूर, आलिया भट्ट की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगे।

अजब-गजब | बीमारी से वैज्ञानिक भी हैरान

बड़ा होते ही लड़का बन जाती हैं लड़कियां

अधिकांश लड़कों और लड़कियों के लिए यौवन एक अजीब और कठिन समय होता है। इस समय आवाज भारी होने लगती है, मूड स्विंग होता है तथा उन जगहों पर बाल आने शुरू हो जाते हैं जहां पहले कभी नहीं होते। लेकिन अगर हम आपको बताएं कि दुनिया के नक्शे पर एक ऐसा गांव है, जहां एक उम्र के बाद लड़कियां, लड़का बन जाती हैं तो आप हैरान ही रह जाएंगे। क्या हुआ, चौंक गए न आप? लेकिन यह बिल्कुल सच है। डोमिनिकन रिपब्लिक देश में ला सेलिनास नामक एक गांव है। यहां की लड़कियों का एक खास उम्र के बाद जेंडर चेंज हो जाता है। इसके बाद यहां की लड़कियां, लड़का बन जाती हैं। इस कारण यहां के लोग गांव को श्रापित गांव मानते हैं। इस रहस्य का आज तक वैज्ञानिक भी पता नहीं लगा पाए हैं।

ला सेलिनास गांव की कई लड़कियां 12 साल की उम्र में आते-आते लड़के में तब्दील होने लगती हैं। गांव की लड़कियों के लड़का बनने की बीमारी की वजह से यहां के लोग बेहद परेशान रहते हैं। इस कारण गांव के कई लोगों का मानना है कि यहां किसी अदृश्य शक्ति का साया है। इसके अलावा कुछ बुजुर्ग लोग गांव को श्रापित मानते हैं। इस तरह के बच्चों को ग्वेदोचे कहा जाता है। जब गांव में किसी के घर लड़की का जन्म होता है तो उस परिवार में मातम पसर जाता है क्योंकि उन्हें डर होता है कि उनकी बेटी बड़ी होने पर लड़का बन जाएगी। इस बीमारी के कारण गांव में लड़कियों की संख्या काफी कम होती जा रही है। इस रहस्यमयी बीमारी की वजह से आस-पास के गांव के लोग इस गांव को बुरी नजर से देखते हैं। समुद्र किनारे बसे इस गांव की आबादी 6 हजार के करीब है। अपने अनोखे आश्चर्य की वजह से यह गांव दुनियाभर के शोधकर्ताओं के लिए रिसर्च का विषय बना हुआ है। वहीं दूसरी तरफ डॉक्टर्स कहते हैं कि ये बीमारी आनुवंशिक विकार है। स्थानीय भाषा में इस बीमारी से ग्रसित बच्चों को सूडोहर्मफ्रडाइट कहा जाता है। जिन भी लड़कियों को यह बीमारी होती है, एक उम्र में आने के बाद उनके शरीर में पुरुषों जैसे अंग बनने लगते हैं। उनकी आवाज भारी होने लगती और शरीर में वो बदलाव आने शुरू हो जाते हैं, जो धीरे-धीरे उन्हें लड़की से लड़का बना देते हैं। गांव का 90 में से एक बच्चा इस रहस्यमयी बीमारी से जूझ रहा है।

दुनिया का सबसे महंगा बकरा कीमत सुनकर घूम जाएगा दिमाग

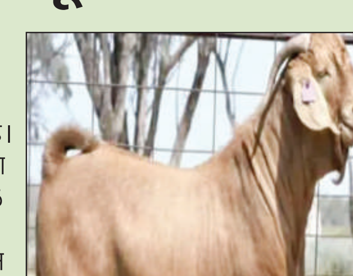

ऐसा कई बार होता है कि जानवर अपनी कीमत के चलते सुर्खियां बटोरते हैं। इस वक्त ऑस्ट्रेलिया में एक बकरा सुर्खियों में छाया हुआ है। मराकेश नाम के एक बकरे को बेचा गया है 21000 डॉलर यानि 15.6 लाख रुपये में। बकरे की इतनी ज्यादा कीमत के बारे में जो भी सुन रहा है, उसे यकीन ही नहीं हो रहा। द गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस बकरे को एंड्रयू मोस्ली ने खरीदा है और इस बार इसकी कीमत सबसे ज्यादा लगी है। इस बकरे की खासियत इसका बेहद स्टायलिश होना है। बकरे को इतने अच्छे ढंग से पाला-पोसा गया है कि उसे देखने वाले बकरे पर मोहित हो जाते हैं। पश्चिमी न्यू साउथ वेल्स के एक कस्बे कोबार में बकरे को नीलामी के लिए रखा गया था, जहां उसके नए मालिक मोस्ली ने उसे खरीदा। मराकेश को खरीदने से पहले भी मोस्ली के पास ऑस्ट्रेलिया की सबसे अधिक कीमत वाली बकरी थी। उन्हें बकरी पालन का काफी शौक है। इससे पहले ब्रॉक नाम की बकरी को पिछले महीने बेचा गया था, जिसे सबसे महंगी बकरी होने का तमगा मिला है। इसे 12,000 डॉलर में खरीदा गया था जबकि इससे पहले मोस्ली ने एक और बकरे को 9,000 डॉलर में खरीदा था। मराकेश के नए मालिक मोस्ली ने बताया कि इस नस्ल के बकरों की संख्या काफी कम है इसीलिए ये महंगे बिकते हैं। जिस बकरे की कीमत लाखों में लगी है, उसका स्वास्थ्य काफी अच्छा है। वो अच्छी ब्रीड का है और प्रजनन के लिए उपयुक्त है। मोस्ली की पत्नी का कहना है कि एतिवांडा में बकरे और भेड़ों को पालते हैं, जो उनके लिए स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा होता है। मराकेश बकरे का पालन-पोषण क्वींसलैंड सीमा के पास गुड्डा में रंगलैंड रेड स्टड में हुआ। कोबार में बिक्री के दौरान इस नस्ल के 17 बकरे थे। बकरों के पालन में एक्सपर्ट मोस्ली का कहना है कि बकरे की क्वालिटी का अंदाज़ा सिर्फ उसके स्वास्थ्य ने नहीं लगाया जाता बल्कि दूसरे पहलुओं पर भी नज़र डाली जाती है।

टीईटी पेपर लीक मामले में सरकार सख्त

सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी संजय उपाध्याय गिरफ्तार

» किए गया था निलंबित प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए थे प्राधिकारी

» पेपर छापने वाली कंपनी के डायरेक्टर को भेजा गया जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शिक्षक पात्रता परीक्षा-2021 का पेपर लीक होने के मामले में बड़ी कार्रवाई के तहत एसटीएफ ने सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी संजय कुमार उपाध्याय को प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें मंगलवार को निलंबित किया गया था।

एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि पेपर लीक मामले में कोई भी आरोपी बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनके पास से मिले दस्तावेजों से साफ हो गया है कि ये प्रश्न पत्र परीक्षा में आने वाले थे। जिस व्यक्ति को टीईटी के प्रश्न पत्र छापने की जिम्मेदारी मिली थी, उसके मालिक को गिरफ्तार किया गया है। इसी क्रम में यूपी टीईटी 2021 के परीक्षा नियंत्रक व सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी संजय कुमार उपाध्याय को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि प्रश्नपत्र लीक कराने में इनकी संलिप्तता थी। इससे पूर्व यूपी एसटीएफ ने प्रश्नपत्र छापने वाली एजेंसी आर.एस.एम. फिनसर्व लिमिटेड के निदेशक राय अनूप प्रसाद को भी गिरफ्तार किया है। इस एजेंसी को प्रश्न पत्र छापने का वर्क आर्डर संजय उपाध्याय ने जारी किया था। सरकार ने सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी को इस पूरे मामले में प्रथम दृष्टया दोषी माना है। इस परीक्षा को अंजाम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी की ही थी। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी सही से नहीं निभाई और दिल्ली की गैर जिम्मेदार एजेंसी आर.एस.एम. फिनसर्व लिमिटेड को पेपर प्रिंट कराने की जिम्मेदारी सौंप दी। एजेंसी के निदेशक राय अनूप प्रसाद ने प्रश्न पत्र की छपाई के दौरान गोपनीयता एवं सुरक्षा मानकों की अपदेखी की, जिसकी वजह से पेपर आउट हो गया और परीक्षा रद्द करनी पड़ गई। अनूप को जेल भेज दिया गया है।

संजय कुमार उपाध्याय, सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी

उत्तराखंड टीईटी में भी बैठे थे साल्वर

अयोध्या। उप्र. शिक्षक पात्रता परीक्षा में सेंध लगाने वाले साल्वर उत्तराखंड टीईटी में भी शामिल हुए थे। यह खुलासा अयोध्या से गिरफ्तार किए गए साल्वर रमेश कुमार ने एसटीएफ से किया। रमेश के पास से उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा परिषद रामनगर नैनीताल वर्ष 2021 का प्रवेश पत्र भी बरामद हुआ है। रमेश के मोबाइल की गैलरी में मिला प्रवेश पत्र पप्पू आर्या के नाम है, जिस पर रमेश कुमार की फोटो लगाई गई है। जांच से जुड़े एक अधिकारी की मानें तो एसटीएफ की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में इसका स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि गत 26 नवंबर को उत्तराखंड में हुई टीईटी परीक्षा में रमेश कुमार पप्पू आर्या की जगह परीक्षा दे रहा था। एएसपी पलाश बंसल का कहना है कि एसटीएफ की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी व उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। उत्तराखंड परीक्षा को लेकर अभियुक्त की ओर से दी गई जानकारी पर भी जांच कराई जाएगी।

फंदे से लटके मिले प्रेमी युगल के शव, सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के मिश्रीगंज निवासी बसंत के भांजे सौरभ ने मंगलवार को प्रेमिका संग फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सौरभ का कानपुर की रहने वाली कक्षा नौ की छात्रा से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जाति बंधन के कारण दोनों के परिजन इस रिश्ते के लिए राजी नहीं हुए। इससे दोनों इतने आहत हुए कि साथ में जीवन लीला समाप्त कर ली।

छात्रा 30 घंटे से घर से गायब थी। वह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी जबकि सौरभ अपने मामा की बाइक लेकर सोमवार को घर से निकला था। दोनों के ही परिजन उनके न मिलने से परेशान थे। बेटी के न मिलने पर परिजनों ने जूही थाना, कानपुर में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मंगलवार को दोनों के शव मिश्रीगंज निवासी शैलू की बाग में लगे पेड़ से लटके मिले। ग्रामीणों ने शव देखे तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों के अनुसार दोनों ने बाइक नीचे खड़ी कर पेड़ पर फांसी लगाई है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार प्रेमी युगल के शव मिले हैं। शव पोस्टमार्टम को भेज दिये गए हैं। दोनों के परिजन को सूचना दी गई है।

पुलवामा में दो पाकिस्तानी आतंकी मुठभेड़ में ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पुलवामा में सुरक्षाबलों ने दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया है। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का सरगना यासिर पारे भी शामिल है। वह आईईडी बनाने का एक्सपर्ट बताया जाता है। दूसरे आतंकी की पहचान फुरकान के रूप में हुई है। वह लंबे समय से इलाके में सक्रिय था।

राजपोरा में सुरक्षाबलों ने आतंकियों की सूचना के बाद मंगलवार देर रात पूरे इलाके में चेकिंग शुरू कर दी थी। सुरक्षा घेरा कड़ा होने के कारण इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई। दरअसल, एजेंसियों को राजपोरा इलाके में एक मकान में आतंकियों की मौजूदगी की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस-सीआरपीएफ और सेना ने संयुक्त टीम बनाकर इलाके में छापा मारा। सूत्रों के मुताबिक इलाके में दो से तीन पाकिस्तानी आतंकी मौजूद हैं। उनकी लंबे समय से तलाश की जा रही थी।

कोरोना के नए वेरियंट पर अलर्ट मोड में रेलवे

सख्ती शुरू, नयी गाइडलाइन जारी, प्रोटोकॉल का करना होगा पालन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के सामने आने के बाद रेलवे अलर्ट मोड में आ गया है। रेलवे ने अब ट्रेनों में कोरोना को लेकर सख्ती बढ़ाने का फैसला किया है और कोरोना को लेकर यात्रियों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक आशुतोष गंगल ने अंबाला, दिल्ली, लखनऊ, मुरादाबाद और फिरोजपुर मंडल के अधिकारियों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग (वीसी) के दौरान ओमिक्रॉन को लेकर दिशा निर्देश जारी किए। जोन में सभी मंडलों में कर्मचारियों व अधिकारियों के कोरोना वैक्सीन की डोज लेने के बारे में भी चर्चा हुई। 90 प्रतिशत कर्मचारियों व अधिकारियों ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाई है जबकि दूसरी डोज महज 60 प्रतिशत कर्मचारियों और अधिकारियों ने ही लगवाई है। ऐसे में दूसरी डोज के लिए फोकस करने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह रेलवे अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं और कहा गया है कि इसे रूटीन में चेक करते रहें ताकि जरूरत पड़ने पर परेशानी न हो। इसके साथ ही निर्देश दिया गया कि यात्रियों को लेकर भी कोरोना गाइडलाइन का पालन किया जाए। कंप्यूटरीकृत आरक्षण टिकट बुक करवाते समय यात्री को अपने गंतव्य का पता भी देने का नियम भी जारी रहेगा।

संक्रमित तीन मरीज चकमा देकर विदेश गए

आगरा। वृंदावन में आठ विदेशी श्रद्धालुओं में कोरोना संक्रमण की पुष्टि के बाद जिले में हलचल हो गयी है। इस बीच तीन संक्रमित मरीज स्वास्थ्य विभाग को धता बताकर अपने-अपने देश चले गए। इनमें दो स्विट्जरलैंड व एक रूस की महिला श्रद्धालु शामिल है। तीनों श्रद्धालुओं की आरटीपीसीआर जांच के लिए सैंपल लिया गया था और उन्हें होम आइसोलेट किया गया था। वृंदावन में स्विट्जरलैंड की महिला श्रद्धालु में कोरोना संक्रमण की पुष्टि 27 नवंबर को हुई थी। इसके बाद उनके संपर्क में आए लोगों की जांच की गई। आरटीपीसीआर जांच की गई। आरटीपीसीआर की रिपोर्ट आने तक सभी को होम आइसोलेट रहने को कहा गया था। सोमवार शाम को जांच रिपोर्ट आई जिसमें ये कोरोना संक्रमित मिले थे। ऐसे में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम जब वृंदावन के शीतलछाया इलाके में पहुंची तो पता चला कि संक्रमितों में स्विट्जरलैंड की एक महिला और एक पुरुष श्रद्धालु और एक रूस की महिला श्रद्धालु गायब हैं।

बरेली में किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी को भेजा जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बारादरी में किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी तरुण कुर्मी उर्फ गोविंदा को बारादरी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पाक्सो व अन्य धाराओं पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

किशोरी के स्वजनों ने बताया कि उसकी 12 वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी। अकेला देखकर आरोपी तरुण कुर्मी उर्फ गोविंदा बेटी को अगवाकर अपने प्लाट में बने आफिस पर ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। किशोरी ने विरोध के लिए जैसे ही शोर मचाने की कोशिश की तो आरोपित ने उसका मुंह दबाते हुए धमकाया कि यदि किसी से शिकायत की तो पूरे परिवार को जान से मार दूंगा। जैसे-तैसे किशोरी आरोपित के चंगुल से भागकर घर पहुंची। आपबीती सुनाई।

कैप्टन-भाजपा के बीच दूरियां खत्म कांग्रेस को हराना लक्ष्य: खट्टर

» गठबंधन पर शीर्ष नेतृत्व लेगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कैप्टन अमरिंदर सिंह और भाजपा के बीच गठबंधन लगभग तय है। कैप्टन ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की थी। मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह गलत पार्टी में थे। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी, जितनी दूरियां थीं अब खत्म हो गई हैं। अमरिंदर के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध पहले भी थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर ने पंजाब में नई पार्टी बनाई है, इसलिए वह उनसे मिलने आए थे। यह मुलाकात उनकी सद्भावनापूर्ण भेंट थी। हमें मिलकर कांग्रेस को हराना है। यही कैप्टन भी चाहते हैं और भाजपा का भी मुख्य लक्ष्य है। कैप्टन की पार्टी के साथ भाजपा के गठबंधन के सवाल पर मनोहर लाल ने कहा, चुनाव को लेकर कोई भी बैठक पार्टी हाईकमान के साथ ही होगी। सोमवार को कैप्टन अमरिंदर और सीएम मनोहर लाल के बीच मुलाकात हुई थी। उसके बाद से कैप्टन की पार्टी व भाजपा के बीच गठबंधन की चर्चा तेज हो गई है।

यूपी में भाजपा चुनाव जीती तो मोदी तय करेंगे सीएम चेहरा!

» शीर्ष नेतृत्व शायद ही करें योगी को नजरअंदाज

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऐलान किया था कि यूपी में भाजपा जीतेगी तो योगी आदित्यनाथ ही प्रदेश के सीएम होंगे। हालांकि अंदरखाने यह चर्चा है कि चुनाव जीतने के बाद भी योगी आदित्यनाथ सीएम चेहरा होंगे, इसकी उम्मीद कम है। सवाल यह है कि क्या भाजपा जीतेगी तो योगी ही सीएम होंगे या कोई अन्य विकल्प है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अमलेंदु उपाध्याय, अजय शुक्ला, लेखक सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, सरकार भाजपा की बनेगी या नहीं अभी तय नहीं है। यदि भाजपा जीतेगी तो योगी आदित्यनाथ सीएम नहीं बनेंगे। अमित शाह केवल गृहमंत्री है। संवैधानिक तौर पर जेपी नड्डा पार्टी अध्यक्ष है। इसके अलावा जहां भी भाजपा ने मुख्यमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा है, वहां वह हार गयी है। यदि अमित शाह ने ऐसा ऐलान किया है तो वे प्रदेश की स्थिति समझ चुके हैं यानी वे जानते हैं कि यूपी में भाजपा नहीं आने वाली है। यूपी में मोदी ही सीएम का नाम तय करेंगे। सीपी राय ने कहा, राजनीति में कई बार बातें कहने के लिए कही जाती हैं। योगी आदित्यनाथ को हटाकर चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है और अगर भाजपा बहुमत में आती है तो सीएम योगी ही होंगे। सियासी जमीन की सच्चाई यही है। भले ही बाद में उनको बदल दिया जाए।

अजय शुक्ला ने कहा, अगर भाजपा की सरकार बनेगी तो योगी आदित्यनाथ ही मुख्यमंत्री होंगे। योगी भाजपा नहीं संघ की पसंद है। संघ चाहता है कि उनकी विचारधारा का व्यक्ति सीएम हो। भाजपा को बहुमत मिलने पर योगी का मुख्यमंत्री बनना तय है। वे भविष्य में राष्ट्रीय चेहरा भी बनाए जा सकते हैं। हालांकि वास्तविकता में लोग सरकार से नाराज हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

हाथरस की बेटी की याद में सपा ने जलाए दीप

» पूरे प्रदेश में दी गई श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर कांड में मारे गए किसानों की याद में लखीमपुर किसान स्मृति दिवस मनाने के बाद समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में हाथरस कांड की पीड़िता की याद में हाथरस की बेटी स्मृति दिवस मनाया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, डिंपल यादव समेत पार्टी के सभी नेताओं ने कैंडिल जलाकर हाथरस की बेटी को श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि पिछले साल 14 सितंबर को हाथरस में एक दलित जाति की युवती के साथ गांव के कुछ युवकों ने बलात्कार कर जान से मारने का प्रयास किया। 29 सितंबर को पीड़िता की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद काफी बवाल हुआ। इसी बीच बिना परिवार को बताए पुलिस ने मृतका के शव का रात में अंतिम संस्कार कर दिया था। हाथरस कांड को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। इसके बाद यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया था। फिलहाल इस मामले के गांव के चारों आरोपी युवक अलीगढ़ जेल में है।

कल मुरादाबाद में प्रियंका की रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुरादाबाद में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा की प्रतिज्ञा रैली को सफल बनाने के लिए कांग्रेसियों ने तैयारियों को और तेज कर दिया है। अधिक से अधिक भीड़ जुटाने के लिए कांग्रेसी जुट गए हैं। प्रियंका वाड्रा दो दिसंबर को बुद्धि विहार फेस दो में प्रतिज्ञा रैली को संबोधित करेंगी। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और अन्य दिग्गज कांग्रेस नेता संबोधित करेंगे। कांग्रेस की प्रतिज्ञा रैली को सफल बनाने के लिए कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ता भी कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे। कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव 2022 में 40 फीसद महिलाओं को टिकट देने, इंटर पास लड़कियों को स्मार्ट फोन व स्नातक पास करने वाली लड़कियों को इलेक्ट्रानिक स्कूटी व किसानों का पूरा कर्जा माफ, बिजली बिल सबका हाफ, कोरोना काल का बकाया भी साफ, कोरोना की मार झेल रहे परिवार को 25 हजार की मदद, 20 लाख युवाओं को सरकारी रोजगार, आंगनबाड़ी महिलाओं को बढ़ा हुआ मानदेय देने आदि प्रतिज्ञाओं के साथ राष्ट्रीय महासचिव यूपी के हर दलित, पिछड़ों, किसानों आदि के लिए संघर्ष कर रही है।

रैनबसेरों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं तत्काल दुरुस्त करें व्यवस्था: डीएम

» राजधानी के रैनबसेरों में गंदगी पर बिफरे अभिषेक प्रकाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सर्दी को देखते हुए डीएम अभिषेक प्रकाश ने शहर के जियामऊ और चकबस्त स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां गंदगी पाए जाने पर संचालकों को कड़ी चेतावनी देकर व्यवस्था में सुधार के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी रैन बसेरे में कोई भी अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लापरवाही बरतने वाले पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही संचालक को निर्देश दिया कि जो भी लोग अभी भी सड़कों पर सो रहे हैं उनको रैन बसेरों में लाने की भी जिम्मेदारी उनकी है। सभी रैन बसेरों के सम्बंधित सभी क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वह अपने आस पास के क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करें कि कोई व्यक्ति सड़क पर तो नहीं सो रहा है। सड़क पर सोने वाले लोगों को रात में ही रैन बसेरों में पहुंचाने की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। जियामऊ के रैन बसेरे में पर्याप्त मात्रा में साफ-सफाई नही पाई गई, जिसके लिए जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने कड़े निर्देश दिए गए कि तत्काल साफ सफाई की व्यवस्था को सुनिश्चित कराया जाए, नहीं तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। इसी तरह चकबस्त रैनबसेरे के निरीक्षण में भी पर्याप्त साफ सफाई नहीं है। जिलाधिकारी द्वारा शौचालय, बाथरूम व किचन आदि का भी निरीक्षण किया गया। बाथरूम की बाल्टी टूटी हुई पाई गई और पर्याप्त साफ सफाई भी नही पाई गई। तत्काल नई बाल्टी और डस्टबिन की व्यवस्था को सुनिश्चित कराते हुए पर्याप्त साफ-सफाई की व्यवस्था का निर्देश दिया गया।

नगर आयुक्त रैन बसेरे में बन गए शिक्षक

दिनभर मेहनत मजदूरी करने के बाद सर्द से बचने के लिए रैन बसेरों में रात बिताने वालों को पढ़ाई का भी मौका मिल रहा है। जियामऊ में नगर निगम के चल रहे रैन बसेरे में शिक्षक बनकर खुद नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी पहुंचे। उन्होंने वहां रह रहे सभी को पढ़ाई का महत्व समझाया। नगर आयुक्त ने कहा कि शिक्षा के ज्ञान से इंसान की जीवनशैली में बहुत बदलाव आ जाता है। उन्होंने नगर निगम की तरफ से चलायी जा रही कई योजनाओं की भी जानकारी उन लोगों को दी।

जियामऊ में प्रौढ़ शिक्षा की कक्षा हर दिन शाम छह बजे जियामाऊ रैन बसेरे में आयोजित की जाएगी, जिसके लिए दो अध्यापकों को भी तैनात किया गया है। शेल्टर होम का संचालन उम्मीद संस्था कर रही है।

यूपी के 47 जिले खुले में शौच से मुक्त नहीं!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। प्रदेश के लगभग सभी जिले ओडीएफ और ओडीएफ प्लस की श्रेणी में पहुंच चुके हैं। सभी जिले खुले में शौच से मुक्त होने का दावा करते हैं, लेकिन हाल ही में नेशनल एन्युल रूरल सैनिटेशन (नार्स) सर्वे की आई तीसरे चरण की रिपोर्ट इसकी कुछ और ही हकीकत बयां कर रही है। नार्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार यूपी के अभी 47 जिले ऐसे हैं, जिनमें कई परिवारों के पास अब तक शौचालय नहीं हैं और वह खुले में शौच जाने को मजबूर हैं।

नार्स सर्वे की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एसबीएम) के मिशन निदेशक राजकुमार ने सभी 47 जिलों का सर्वे कराकर छूटे हुए परिवारों को शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के मिशन निदेशक राजकुमार ने इन सभी 47 जिलों को पत्र लिखते हुए निर्देशित किया है कि नार्स सर्वे की रिपोर्ट को देख लें और ठीक से सर्वे कराकर जिलों को पूर्ण रूप से शौचालय से आच्छादित करें। जिससे 2021-22 में होने वाले सेन्सस सर्वे और भारत सरकार के अन्य सर्वे में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न हो पाए।

जागरूकता रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी ने राजभवन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर विश्व एड्स जागरूकता दिवस के अवसर पर एक रैली का आयोजन किया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल प्रो. बिपिन पुरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, सचिव चिकित्सा शिक्षा जीएस प्रियदर्शी, केजीएमयू की प्रो तुलिका चंद्रा मौजूद थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।